सावन के सोमवार की
शुभकामनाएं

सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com
RNI No: UPHIN/2023/86769
swarajindianews
swarajindianews

मूल्यः
₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 201, पृष्ठः 8+4

इनसाइड अवसनेश्वर महादेव मंदिर में करंट से दो की मौत... » Pg10

अयोध्या में पलटी कानपुर के श्रद्धालुओं से भरी बस... » Pg12

सीएम योगी ने रचा इतिहास, तोड़ा 72 साल पुराना रिकॉर्ड

उपलब्धि : यूपी के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सीएम योगी यूपी के सबसे ज्यादा दिनों तक लगातार मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। सीएम योगी ने गोविंद वल्लभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा है। योगी आदित्यनाथ अब तक 8 साल और 132 दिन का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। जबकि गोविंद बल्लभ पंत का कुल कार्यकाल (स्वतंत्रता से पूर्व सहित) 8 साल और 127 दिन का रहा था। प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव अब 2027 में होगा।

सीएम योगी के इस रिकॉर्ड को लेकर बीजेपी के बड़े नेताओं ने बधाई और शुभकामनाएं देना भी शुरू कर दिया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने ट्वीट कर सबसे पहले सीएम योगी को सबसे ज्यादा दिनों तक लगातार सीएम रहने की बधाई दी है। भूपेंद्र चौधरी ने जो ट्वीट किया उसमें लिखा, 'अभिनंदन योगी जी, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज 8 वर्ष 132 दिन का मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल पूरा कर श्री गोविंद बल्लभ पंत जी के 8 वर्ष 127 दिनों का लगातार मुख्यमंत्री के रूप में शासन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर उत्तर प्रदेश के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस महारिकॉर्ड के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी

को समस्त प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम लगातार 8 वर्ष 4 माह 10 दिन तक सीएम बनने का रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। योगी आदित्यनाथ ने सीएम के तौर पर यह रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही अखिलेश, मुलायम और मायावती पीछे हो गए। योगी आदित्यनाथ अब यूपी में सबसे लंबे समय तक लगातार कार्यकाल वाले सीएम बने हैं।

तोड़ा रिकार्ड

- गोविंद बल्लभ पंत : 8 वर्ष 127 दिन
- मुलायम सिंह यादव : 6 वर्ष 274 दिन
- डॉ.सम्पूर्णानंद : 5 वर्ष 345 दिन
- अखिलेश यादव : 5 वर्ष 4 दिन
- नारायण दत्त तिवारी : 3 वर्ष 314 दिन
- चंद्रभानु गुप्ता : 3 वर्ष311 दिन
- कल्याण सिंह : 3 वर्ष 217 दिन

मतदाता सूची संशोधन पर लगेगी रोक

पंचायत चुनाव से पहले होगा नगरीय सीमाओं का विस्तार

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। पंचायत चुनाव से पहले प्रदेश में नगरीय निकायों की सीमाओं का विस्तार किया जाएगा। शासन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इस संबंध में आदेश 1 से 2 अगस्त के बीच जारी हो सकता है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से नगरीय सीमा विस्तार और नए नगर निकायों के गठन पर रोक लगी हुई थी।

पंचायतीराज विभाग ने 21 मई को आदेश जारी कर सीमा विस्तार और नए निकाय गठन की प्रक्रिया पर विराम लगाया था। वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग ने 11 जुलाई को पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान का कार्यक्रम घोषित कर दिया। मौजूदा समय में 97 नए नगर निकायों के गठन और 107 निकायों की सीमा विस्तार के प्रस्ताव शासन स्तर पर लंबित हैं। अब जबकि नगरीय क्षेत्रों के विस्तार का आदेश जल्द जारी होने की संभावना है, तो पंचायत क्षेत्रों से कई गांव नगर निकायों में शामिल हो सकते हैं। इस स्थिति में संबंधित क्षेत्रों में मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया रोक दी जाएगी।

शिकायत

जेलर पर मानसिक प्रताड़ना और अभद्र व्यवहार का आरोप

प्रतापगढ़ जिला कारागार में बंदी रक्षकों का जोरदार प्रदर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ जिला कारागार के बंदी रक्षकों ने जिला जेल के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिला जेलर अजय सिंह पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

जाति सूचक शब्द और अश्लील गालियों का आरोप : बंदी रक्षकों का कहना है कि जेलर अजय सिंह उन्हें लगातार मानसिक दबाव में रखते हैं और उनके साथ अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हैं। आरोप है कि जेलर द्वारा मां-बहन की गालियों के साथ-साथ जाति सूचक शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है, जिससे वे मानसिक रूप से टूट चुके हैं। बंदी रक्षक एक स्वर में जेलर को तत्काल प्रभाव से हटाए जाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जेलर के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। बंदी रक्षकों ने जिलाधिकारी से शिकायत भी की है। उन्होंने ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाए। इस पूरे घटनाक्रम के चलते जिला कारागार का वातावरण तनावपूर्ण बना हुआ है। बंदी रक्षक अपनी मांगों को लेकर अडिग हैं और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जता रहे हैं।

रोटरी क्लब ऑफ कानपुर साउथ का 49वां अधिष्ठापन समारोह संपन्न

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। रोटरी क्लब ऑफ कानपुर साउथ का 49वां अधिष्ठापन समारोह भव्य रूप से होटल लिटिल सेफ में संपन्न हुआ। इस समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए नव-निर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन मनोज शुक्ला ने पूर्व अध्यक्ष रो. सतबीर सिंह से पदभार ग्रहण किया। साथ ही नए सचिव रो. महेश मखीजा ने पूर्व सचिव रो. रवि दयाल से कार्यभार संभाला।

नए पदाधिकारियों ने संभाला कार्यभार

इस अवसर पर क्लब की नई कार्यकारिणी ने भी पदभार ग्रहण किया। अध्यक्ष मनोज शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष क्लब द्वारा नवनिर्मित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल को एक आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही रक्तदान शिविर, मेडिकल कैंप, वृक्षारोपण, छात्रवृत्ति एवं पुस्तक वितरण जैसे विविध सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. राजेन विद्यार्थी ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से अधिक से अधिक संसाधन जुटाकर सामाजिक परियोजनाएं संचालित की जाएं।विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सचान ने कहा कि रोटरी क्लब हमेशा सामाजिक उत्थान में अग्रणी रहा है।

विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक ने क्लब की सेवा भावना की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग देने की बात कही। वहीं कोऑपरेटिव स्टेट चेयरमैन विजय कपूर ने क्लब से अपने 15 वर्षों के जुड़ाव को गौरव की बात बताते हुए कहा कि वह सदैव सहयोग के लिए तत्पर हैं।

कार्यक्रम का मंच संचालन रोटेरियन विशाल साहनी एवं बान टंडन ने किया।इस अवसर पर अशोक मेहरा, राजेश अवस्थी, जे.एस. अरोड़ा, अजय देहर, राजेश भाटिया, हरप्रीत सिंह, मयंक सेंगर, विक्की गुजराल, ऋषभ नरूला सहित क्लब के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कानपुर में आयोजित हुआ राष्ट्रीय कार्डियोलॉजी समिट

» देशभर से जुटे वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कैंट स्थित स्टैटस क्लब एंड रिसॉर्ट में मेटाबोलिक सोसाइटी, कानपुर द्वारा राष्ट्रीय स्तर के कार्डियोलॉजी सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन हृदय रोग संस्थान कानपुर, के. केयर हॉस्पिटल, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (यूपी चैप्टर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

सम्मेलन के प्रमुख आयोजक हृदय रोग संस्थान के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. अवधेशकुमार शर्मा एवं के. केयर हॉस्पिटल के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमित कुमार ने बताया कि इस एकदिवसीय आयोजन में देशभर से प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में हार्ट अटैक से बचाव, डायबिटीज से संबंधित हृदय रोग, मोटापे के प्रभाव और नवीनतम उपचार तकनीकों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं जी.बी. पंत हॉस्पिटल, नई दिल्ली के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. संजय त्यागी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि एसजीपीजीआई, लखनऊ के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. आदित्य कपूर और सम्मानित अतिथि हृदय रोग संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. राकेश कुमार वर्मा रहे।

इस विशेष अवसर पर कानपुर के वरिष्ठतम हृदय रोग विशेषज्ञ एवं

पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस. एस. सिंघल को उनके बहुमूल्य योगदान हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के चेयरमैन डॉ. उमेश्वर पांडेय (विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी, हृदय रोग संस्थान) ने बताया कि यह सम्मेलन कानपुर व आसपास के चिकित्सकों को उन्नत तकनीकों और नवाचारों से

अवगत कराएगा।इस मौके पर देश के प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार सिन्हा, डॉ. एम.एम. रज़ी, डॉ. मुकेश झा, डॉ. कुमार हिमांशु, डॉ. प्रवीण शुक्ला, डॉ. नीरज वरयानी, डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ. श्रीपत वैरनार और डॉ. रितेश गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति रही।हृदय रोग संस्थान के निदेशक डॉ. राकेश कुमार वर्मा ने सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु सभी को अग्रिम शुभकामनाएं दीं और इसे चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर बताया।

शिवली में प्रधान की संदिग्ध हालात में मौत

» पत्नी और बेटों पर हत्या का आरोप

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। शिवली थाना क्षेत्र के बैरी दरियाव गांव निवासी ग्राम प्रधान प्रेमनारायण (41) का शव सोमवार सुबह संभरपुर गांव के पास झाड़ियों में पड़ा मिला। मृतक के भाई ने आरोप लगाया है कि प्रेमनारायण की हत्या उसकी पत्नी और बेटों ने मिलकर की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और परिवार के कुछ सदस्यों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मृतक के भाई जयराम का कहना है कि प्रेमनारायण प्रधानी के साथ खेती कर परिवार का पालन-पोषण करता था। रविवार रात घर पर पति-पत्नी में विवाद हुआ, जिसके बाद पत्नी और बेटों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को बाइक से ले जाकर संभरपुर गांव के पास फेंक आए।सोमवार सुबह प्रेमनारायण का भतीजा रवि जब पिता की तलाश में निकला तो उसे शव के बारे में पता चला। उसने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। रवि ने बताया कि शनिवार को उसके पिता बैंक से रुपये निकालने गए थे और फिर लौटे नहीं।शिवली थानाध्यक्ष शीलेंद्र यादव ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और घरेलू विवाद के एंगल को भी ध्यान में रखा जा रहा है। गांव में इस घटना से सनसनी फैल गई है।

सावन के तीसरे सोमवार पर गोविंद नगर में हुआ प्रसाद वितरण

कानपुर।सावन मास के पवित्र तृतीय सोमवार के अवसर पर गोविंद नगर क्षेत्र में श्रद्धा और सेवा का सुंदर संगम देखने को मिला। भाजपा पार्षद दल के नेता श्री नवीन पंडित जी के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के बीच छोले-चावल का प्रसाद वितरण किया गया।भक्तों की सेवा में समर्पित इस आयोजन में बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस पुनीत कार्य में सतनाम सिंह टोनी जी और सेक्टर अध्यक्ष प्रणवीर सिंह चंदेल ने सक्रिय सहयोग किया।कार्यक्रम का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सेवा भाव से जोड़ना और सावन की भक्ति भावना को और प्रबल करना था। स्थानीय लोगों ने इस आयोजन की सराहना की और आयोजकों को धन्यवाद दिया।सावन के इस शुभ दिन पर आयोजित प्रसाद वितरण ने सामाजिक समरसता और धार्मिक आस्था का भावपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया।

सिटी में चार नई योजनाओं का निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू

राहुल पांडेय/ स्वराज इंडिया

» प्रशासन ने 20740 वर्ग मीटर जमीन का किया चयन

चार योजनाओं की जमीन जल्द ही होगी फाइनल : एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी

कानपुर। शासन की योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रशासन ने तेजी से कार्य शुरू कर दिया है। इसके लिए भूमि की मांग की गई थी, जो कि प्रशासन ने जमीन चिह्नित कर ली है, जल्द ही इसे फाइनल कर संबंधित विभाग को सौंप दिया जाएगा। प्रशासन ने चार योजनाओं के लिए करीब 20740 वर्ग मीटर जमीन का चयन किया है। एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि शासन की ओर योजनाओं के संबंध में जमीन की डिमांड की गई थी। इनमें से करीब चार योजनाओं की जमीन चिह्नित कर ली गई है। इसको जल्द ही फाइनल कर दिया जाएगा।

इन योजनाओं की जमीन चिह्नित

मुख्यमंत्री महिला श्रमजीवी हॉस्टल के लिए चकेरी में 6640 वर्ग मीटर

न्यायालय गेस्ट हाउस को चकेरी में 5500 वर्ग मीटर

पिपौरी में थाना गुजैनी के लिए 3600 वर्ग मीटर

पंचायत उत्सव भवन को पिपौरी में 5000 वर्ग मीटर

मुख्यमंत्री महिला श्रमजीवी हॉस्टल, न्यायालय गेस्ट हाउस समेत कई निर्माण कार्य के लिए शासन ने जमीन की डिमांड प्रशासन से की थी। इसमें थाना गुजैनी और पंचायत उत्सव भवन निर्माण के लिए भी जमीन मांगी गई थी। प्रशासन ने निर्माण कार्य और डिमांड के आधार पर जमीन को चयनित कर लिया है।

महिला श्रमजीवी हॉस्टल का निर्माण शासन की मुख्य योजनाओं में एक है। इसको लेकर लगातार शासन की ओर से जवाब मांगा जा रहा था।

जमीन चयनित होने के बाद संबंधित विभाग इसपर निर्माण कार्य शुरू करा सकता है।

मंडीलय कार्यालय को जमीन ढूंढ रहा प्रशासन

एक स्थान पर सभी मंडीलय कार्यालय होने के लिए बनने वाले मंडीलय कार्यालय निर्माण की जमीन को प्रशासन काफी लंबे समय से खोज रहा है। अब तक सही जमीन नहीं मिल पा रही है, जिसे प्रशासन फाइनल कर सके। प्रशासन ने अब दो स्थानों को चिह्नित किया है, जिसपर चर्चा चल रही है और जल्द ही फाइलन हो सकता है।

भेजा गया न्यायलय

अलग-अलग मामलों में 10 अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में अभियुक्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर बिल्हौर कोतवाल अशोक कुमार सरोज के निर्देशन में पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए विभिन्न मामलों में कार्रवाई की है। इसी क्रम में 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायालय भेजा गया। सभी के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में सागर उर्फ धीरज (24), निवासी बैणों नगर; विनोद (40), किशन (41), रामसुरेश (45) व पप्पू (48), सभी निवासी गोहलियापुरवा, खंड नानामऊ, थाना बिल्हौर; लालू (51), सोभित (21) व अशोक (40), सभी निवासी गडरियनपुरवा, थाना बिल्हौर, विवेक (28), निवासी जरेलापुरवा, थाना ककवन; तथा जीतू उर्फ रामदत्त (28), निवासी रानेपुर, थाना बिल्हौर शामिल हैं।

जब तक घाट नहीं खुलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा : रचना सिंह

प्राचीन कोठी घाट खोलने की मांग पर सपा का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। सोमवार को समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने बिल्हौर क्षेत्र के अरौल स्थित प्रसिद्ध और ऐतिहासिक कोठी घाट को आम जनता के लिए खोलने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि यह घाट बीते तीन वर्षों से बंद पड़ा है। घाट से लगे प्राचीन श्री बटेश्वरनाथ धाम मंदिर में पूजा-पाठ और गंगा स्नान की परंपरा प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों व श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होने के बावजूद प्रशासन ने बार-बार ज्ञापन दिए जाने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया।

कोई कार्रवाई ना होने पर रविवार को सपा की रचना सिंह गौतम ने अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान किया था। आज सोमवार दिन के 11 बजे से अपने समर्थकों के साथ मंदिर में पूजा कर मंदिर परिसर में धरने पर बैठीं और स्पष्ट कहा कि जब तक घाट नहीं खुलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने में क्षेत्र के कई ग्रामीण, युवा, और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के इस घाट को शीघ्र खोला जाए, जिससे वर्षों पुरानी परंपरा फिर से जीवित हो सके।

एसडीएम को ज्ञापन सौपतीं सपा नेत्री रचना सिंह गौतम, साथ में समर्थक ग्रामीण।

धरना शुरू होने के कुछ ही देर बाद प्रशासन भी सक्रिय हुआ। बिल्हौर एसडीएम संजीव दीक्षित और एसीपी अमरनाथ मौके पर पहुँचे। उन्होंने सपा नेत्री रचना सिंह और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और धरना खत्म करने की अपील की। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। जिसके बाद सपा नेत्री ने ग्रामीणों से बात कर अधिकारियों के आश्वासन पर धरना स्थगित कर दिया और डीएम को संबंधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

मौके पर पहुँचे एसडीएम,एसीपी व इंस्पेक्टर प्रदर्शनकारियों से वार्ता करते।

निरीक्षण

चौबेपुर के दो प्राथमिक विद्यालयों का किया निरीक्षण

स्कूल में एसडीएम का दिखा 'मास्टर जी' वाला अंदाज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। विकासखंड चौबेपुर के दो प्राथमिक विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान बिल्हौर उपजिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित का अंदाज उस समय देखने लायक था, जब वह खुद शिक्षक की भूमिका में उतर आए। कक्षा में पहुंचकर उन्होंने न केवल बच्चों से सीधा संवाद किया बल्कि उनकी कॉपियां देखीं, सवाल पूछे और खुद टीचर के रोल में आकर पढ़ाना भी शुरू कर दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने प्राथमिक विद्यालय मरियानी और प्राथमिक विद्यालय नोनहा नरसिंह की गतिविधियां देखीं। मरियानी विद्यालय की पढ़ाई, अनुशासन और मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से वे बेहद संतुष्ट नजर आए।

कुछ इस अंदाज़ में 'मास्टर जी' की भूमिका में नज़र आए एसडीएम संजीव दीक्षित

बच्चों की समझ और उत्तरों को देखकर उन्होंने शिक्षकों की टीम खासकर प्रधानाध्यापक प्रशांत सिंह की सराहना की और कहा कि ऐसे विद्यालय दूसरों के लिए प्रेरणा हैं। एसडीएम ने कुछ समय तक कक्षा में शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों को विषय भी समझाया। उनके इस मास्टर जी वाले अंदाज़ को देखकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और शिक्षा का माहौल और अधिक जीवंत हो गया।

नोनहा नरसिंह विद्यालय में कम उपस्थिति पर नाराजगी : इसके बाद एसडीएम जब नोनहा नरसिंह विद्यालय पहुंचे, तो वहाँ 32 में से सिर्फ 20 छात्र उपस्थित मिले। इस पर नाराज़गी जाहिर करते हुए उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी आनन्द कुँवर पटेल को निर्देशित किया कि संबंधित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दो सप्ताह में सुधार न होने की स्थिति में कठोर कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

स्टेशनरी पाकर मुस्कराए नए प्रवेश पाए बच्चे : निरीक्षण के दौरान दो नए प्रवेश पाए बच्चों को स्टेशनरी किट भी भेंट की गई। बच्चे किट पाकर खुशी से झूम उठे। जिससे वातावरण में उत्साह का संचार हो गया।

शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। सावन के तीसरे सोमवार को बिल्हौर क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। अलसुबह से ही कांवरियों और श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। शिवभक्तों ने बेलपत्र, दूध, भस्म व गंगाजल के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी और सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। कई स्थानों पर स्वयंसेवकों ने भी सेवा शिविर लगाकर कांवरियों को जलपान व प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई।

सम्पादकीय

काले धन पर लगाम लगाने की चुनौती

हालांकि, भारत पूरी दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं।

केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए।

यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

प्रगतिशील सुधार आंदोलन बदलेगा सामंती सोच

डॉ. जगमति सांगवान

वर्ण व्यवस्था व पितृ सत्ता को खत्म करने के लिए जाति व लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सत्याग्रह, संघर्ष, अभियान, आंदोलन चलाते हुए हमारे यहां नागरिक समाज का निर्माण हो। जहां इंसान की मानवीय गरिमा व लोकतांत्रिक अधिकार जाति, धर्म, लिंग भेद से ऊपर हों।सपनों के शहर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में 25 वर्षीय राधिका यादव के सपनों का इतना दर्दनाक अंत बहुत ही झकझोर देने वाली घटना है। मिलेनियम सिटी, उसका सुशांत लोक संभवत- सबसे पाश इलाका। उसमें एक जानी-मानी टेनिस खिलाड़ी, उसके लाइसेंसी रिवाल्वर रखने वाले पिता के द्वारा किचन में काम करते हुए पीछे से 5 गोलियां दागकर हत्या।

इस अपराध का पूरा प्रोफ़ाइल हरियाणा में रियल-एस्टेट, बिल्डर, प्रॉपर्टी डीलर आदि के अनाप-शनाप धंधों से अच्छा खासा पैसा बनाकर तथाकथित आधुनिक जीवन जीने की लालसा रखने वाले तथा सामंती व पितृ सत्तात्मक विचारों से उस पर इज्जत का मुलम्मा चढ़ाने वाले लोगों के विखंडित व्यक्तित्व का कॉकटेल है। वैसे तो इज्जत के नाम पर ऐसी हत्याएं हमारे समाज की मुख्य धारा के लोगों की भी समस्याएं हैं, लेकिन भले ही इधर-उधर हाफले मारकर इन नवधनाढ्यों ने 21वीं सदी के अमीरों वाली सुविधा जुटा ली है परंतु मानसिकता अभी भी 18वीं सदी में खड़ी है। ये अपनी बीवी बेटियों को अपनी संपत्ति समझते हैं जिन्हें वह जैसे चाहें बरत सकते हैं। इनके जीवन-मूल्य सिविल सोसायटी या नागरिक समाज की संगति में नहीं बने-ढले। बल्कि सामंतवाद पर आरोपित पूंजीवादी आधुनिकता में रचे बसे हैं।हरियाणा की बेटियों को खेलों के माध्यम से ज्ञान (एक्सपोज़र) व ताकत दोनों मिले हैं वे भी न्याय के लिए शीर्ष राजनीति या पितृसत्ता से टकराते हुए ज्यादा आगे-पीछे की नहीं सोच रही। फिर चाहे वह शिक्षा डागर, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक या राधिका यादव कोई भी हो। इस केस में क्योंकि पिता नवधनाढ्य वर्ग से आता है जो सोचते हैं 'हमने क्या-क्या जलालत झेलकर इनके लिए ये सुख-सुविधाएं जुटाई और आज यही आगे से जवाब देते हैं।' तो यहां एक अतिरिक्त असहिष्णुता का पुट भी है।

लेकिन खिलाड़ी लड़कियां, जिनके खेलों के माध्यम से सशक्त व्यक्तित्व बने हैं वो आसानी से हथियार डालते नजर नहीं आ रही।

हरियाणा की जूनियर कोच जिस पर पूर्व खेल मंत्री द्वारा यौन हमले का आरोप है उसने उसका दमन करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। उसके बावजूद आज तक कोर्ट में उसके सामने डटी खड़ी है। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, संगीता फोगाट बिना आगे पीछे की परवाह किए यौन शोषण आरोपी भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण को बचाने वाली सरकार के खिलाफ सीधा जंतर मंतर पर जाकर धरने पर बैठ गई। वे बृजभूषण को सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर घसीट कर ले आई। यहां राधिका यादव के पिता ने भी जो मीडिया में आया है उसके हिसाब से कई बार उसे रील न बनाने व खेल एकेडमी बन्द करने का आदेश दिया। राधिका ने रील बनाना तो बन्द कर दिया मगर अपनी पसन्द का काम नहीं छोड़ा। वैसे भी किचन में काम कर रही राधिका पर पीछे से पीठ में गोलियां दागी हैं। शायद पिता को यह अंदेशा रहा हो कि अगर आमने-सामने होंगे तो मुमकिन है राधिका बच निकले या पलटवार करे।

हर बिहारी नागरिक का मताधिकार हो सुनिश्चित

चुनाव आयोजन

ज्योति मल्होत्रा

लोकतंत्र में सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार होना चाहिये। बिहार के लोगों को भी, जहां विस चुनाव से कुछेक माह पहले चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण का ऐलान किया। इसके समय व दस्तावेजों को लेकर विपक्ष की चिंताएं स्वाभाविक हैं। पुनरीक्षण में न पूरी होने लायक शर्तें नहीं लगानी चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला राहतकारी है।गत सप्ताहांत पंजाब के उन खेतों, कारखानों और घरों में राहत की सांस ली गई जहां प्रवासी बिहारी मज़दूर काम करते हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची ने चुनाव आयोग को अपनी टिप्पणी में कहा है कि उसे मतदाता की पात्रता सिद्ध करने में आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र के इस्तेमाल की भी इज़ाजत देनी चाहिए ताकि नवंबर के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जब वे कतार में लगें तो सांस अटकी न रहे।

यह कहना कि पंजाब-हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और देश के शेष हिस्सों का भी - बिहार चुनाव से संबंध है, स्वाभाविक बात है। बिहारी - और साथ ही उत्तर प्रदेश के लोग - पूरे उत्तर भारत में सब तरफ आमतौर पर दिखाई देते हैं। वे उन खेतों को जोतते हैं जो मुख्यतः पंजाबी कौम के हैं। वे कस्बों और शहरों में काम करते हैं और तमाम वे काम करते हैं, जो कनाडा की 'खोज' करने से पहले पंजाबी कभी खुद किया करते थे। किसी शख्स द्वारा उनके बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के बावजूद, हमारा उनके बिना गुजारा नहीं हो सकता।

इसीलिए हमें तीन दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस धूलिया और जस्टिस बागची द्वारा कही गई बातों पर कहीं ज्यादा ध्यान देना चाहिए। वह यह कि अगर भारत को सभी लोकतंत्रों की जननी का अपना खिताब कायम रखना है - जैसा कि उसने हिंसात्मक विभाजन के बाद 1951 में हुए पहले चुनाव आयोजन के बाद से करने का प्रयास किया है - तो उसे 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी बिहारियों को वोट देने की अनुमति देनी चाहिए, जैसा कि वे पिछले दशकों में करते आए हैं।यह समझ से परे है कि चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा करने में इतनी देर तक यानि 24 जून तक इंतजार क्यों किया। कुछ लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग के ऐसा करने के पीछे कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश के एक अंग्रेजी समाचारपत्र में लिखे लेख में महाराष्ट्र में 'चुनाव में हेराफेरी' के बारे की गई तीखी टिप्पणियों से बनी उकसाहट है। (उस लेख में राहुल ने कहा कि अन्य मानदंडों के बीच, भाजपा ने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से 89 प्रतिशत पर जीत हासिल की, जबकि केवल चार महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में उसे केवल 32 प्रतिशत सीटों पर ही विजय मिली थी)। वहीं कुछ अन्य को यकीन है कि चुनाव आयोग की घोषणा का समय महज एक संयोग था। बहरहाल, यह ऐलान आश्चर्यजनक था।शायद चुनाव आयोग का मानना हो कि यह समय एकदम उचित है। क्योंकि बिहार मतदाता सूचियों में आखिरी बार पुनरीक्षण 2003 में हुआ था और तब से लेकर अब तक पांच लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इसलिए तमाम चूकों और कमियों को संशोधित और दुरुस्त करने का सबसे उपयुक्त समय यही है।अगर ऐसा है भी, तब भी अड़चन पैदा करने वाली शर्तें क्यों ठोकनी? सर्वप्रथम, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनाव आयोग खुद जारी करता है) और सर्वव्यापी राशन कार्ड को अमान्य बना दिया, जिसका कोई तुक नहीं। दूसरा, बिहार के 7.89 करोड़ मतदाताओं से विस्तृत जानकारी मांगना जैसे कि पिता और माता के जन्मस्थान को 'दस्तावेजी साक्ष्य' से सिद्ध करना। इससे लगने लगता है कि मानो चुनाव आयोग नागरिकता का प्रमाण मांग रहा हो। तीसरा, चुनाव आयोग ने घोषणा की है।

वीएचपी की बैठक में बवाल, निष्कासित कार्यकर्ता ने पद की मांग को लेकर किया हमला

» काली स्कॉर्पियो में आए युवकों ने रॉड और पत्थरों से किया हमला, कई कार्यकर्ता घायल

» पुलिस ने 11 उपद्रवियों को किया गिरफ्तार, स्कॉर्पियो और 8 बाइकें जब्त

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गोविंदनगर स्थित श्रीमुनि इंटर कॉलेज में रविवार दोपहर विश्व हिंदू परिषद की अर्धवार्षिक कार्यकर्ता बैठक के दौरान जमकर बवाल हो गया। संगठन से निष्कासित पूर्व सह संयोजक विशाल गुप्ता उर्फ बजरंगी दर्जनों युवकों के साथ काली स्कॉर्पियो और 20-25 बाइकों से मौके पर पहुंचा और पद न मिलने से नाराज होकर नारेबाजी, मारपीट और पथराव शुरू कर दिया।

सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लाठी पटक कर हालात काबू में किए। इस दौरान 11 उपद्रवियों को मौके से हिरासत में लिया गया। वहीं एक स्कॉर्पियो और आठ बाइकें भी जब्त की गईं।

वीएचपी के जिला संयोजक अमरनाथ की तहरीर पर विशाल गुप्ता, विकास शुक्ला, शुभम तिवारी, वसीम, सहजाद आलम और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।इंस्पेक्टर गोविंदनगर प्रदीप कुमार सिंह के अनुसार, उपद्रवियों में जूही सफेद कालोनी निवासी विशाल गुप्ता सहित 11 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। संगठन ने बताया कि विशाल को पूर्व में अनुशासनहीनता के चलते निष्कासित कर दिया गया था, बावजूद इसके उसने संगठन में घुसकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया।

सेवा भारती का स्वावलंबन एवं किशोरी विकास वर्ग सम्पन्न

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

21 जिलों से आए 300 प्रतिभागियों ने स्वरोजगार के विविध क्षेत्रों की ली जानकारी

कानपुर। सेवा भारती कानपुर प्रांत द्वारा रविवार को एक दिवसीय स्वावलंबन एवं किशोरी विकास वर्ग का आयोजन केशव भवन, कानपुर में किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के 21 जिलों से आए लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को लघु उद्योग, बैंकिंग सेवाएं, पशुपालन, मशरूम उत्पादन, योग के माध्यम से स्वरोजगार, साइबर अपराध आदि विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत संघ चालक भवानी भीख जी द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। डिप्टी कमिश्नर उद्योग एस.पी. यादव ने सरकार की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. मणिंद्र ने पशुपालन में रोजगार की संभावनाओं को बताया। लखनऊ पुलिस मुख्यालय से आई टीम ने साइबर अपराध से बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी, वहीं चंद्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने मशरूम उत्पादन पर व्यावहारिक जानकारी साझा की।

करीब 6 घंटे तक चलने वाले इस सत्र का सफल संचालन सेवा भारती कानपुर विभाग द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का समापन उद्बोधन आरोग्य भारती के राष्ट्रीय पदाधिकारी अशोक वार्ष्णेय द्वारा किया गया, जिन्होंने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में इस तरह के प्रयासों को अत्यंत उपयोगी बताया।

इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह, प्रांत संयोजिका नीता अवस्थी, श्रीमती माया वर्मा, डॉ. प्रवीण कटियार, संजय मल्होत्रा, अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, तथा स्वावलंबन प्रमुख जय भदौरिया भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

विकास को मिली नई उड़ान, जूही अंडरपास में तैयार होगा ओवरब्रिज

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 225.95 करोड़ की योजना को दी मंजूरी

» कुल 2256.54 करोड़ के विकास कार्यों को मिली हरी झंडी

खलवा पुल की जलभराव और ट्रैफिक की पुरानी समस्या अब इतिहास बनने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में रविवार को लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान जूही अंडरपास पर टू-लेन उपरिगामी पुल के निर्माण को मंजूरी दे दी गई है।

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर वासियों को जल्द ही जाम से राहत मिलने वाली है। जूही खलवा पुल की जलभराव और ट्रैफिक की पुरानी समस्या अब इतिहास बनने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में रविवार को लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान जूही अंडरपास पर टू-लेन उपरिगामी पुल के निर्माण को मंजूरी दे दी गई है।

कुल 225.95 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह फ्लाईओवर ट्रांसपोर्ट नगर तिराहे से शुरू होकर अफीम कोठी तक बनेगा। यह परियोजना किदवई नगर के विधायक महेश त्रिवेदी के प्रस्ताव पर स्वीकृत की गई है। फ्लाईओवर के बनने से दक्षिणी कानपुर के लाखों नागरिकों को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी। बैठक में विधानसभा क्षेत्र के 256.54 करोड़ रुपए के अन्य विकास प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई, जिसमें सड़क निर्माण, चौड़ीकरण, रोड सेफ्टी जैसे कार्य शामिल हैं। विधायक महेश त्रिवेदी ने बताया कि नौबस्ता हाईवे पर बन रहे 100 बेड के अस्पताल का उद्घाटन भी शीघ्र ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा।

बीडीओ कार्यालय बिधनू में लेन-देन का वीडियो वायरल

» वायरल वीडियो कांड को लेकर CDO ने दिए जांच के आदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। वीडियो में खंड विकास अधिकारी, बिधनू के कार्यालय कक्ष में कथित तौर पर रुपये के लेन-देन का दृश्य सामने आने के बाद मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने गंभीर रुख अपनाते हुए द्विसदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। इस जांच समिति में परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण तथा अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) को शामिल किया गया है। दोनों अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सात दिवसों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो के संदर्भ में ईमानदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है।प्रकरण ने शासन-प्रशासन में हलचल मचा दी है और अब सभी की निगाहें जांच समिति की रिपोर्ट पर टिकी हैं।

बीडीओ र्यालय में लेन-देन में सीडीओ ने दिए जांच के निर्देश

कानपुर।सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। वीडियो में खंड विकास अधिकारी, बिधनू के कार्यालय कक्ष में कथित तौर पर रुपये के लेन-देन का दृश्य सामने आने के बाद मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने गंभीर रुख अपनाते हुए द्विसदस्यीय जांच समिति का गठन किया है।इस जांच समिति में परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण तथा अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) को शामिल किया गया है। दोनों अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सात दिवसों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो के संदर्भ में ईमानदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है।प्रकरण ने शासन-प्रशासन में हलचल मचा दी है और अब सभी की निगाहें जांच समिति की रिपोर्ट पर टिकी हैं।

दर-दर भटक रहीं गौ माता, प्रशासन और पंचायत की आंखें मूंदे

» सीडीओ के निर्देशों की उड़ रही धज्जियां, एडीओ पंचायत कागजों पर चला रहे गौशाला योजना

» गजनेर-नवीपुर मार्ग पर सड़क दुर्घटनाएं आम, गोवंशों की दुर्दशा से नहीं हिल रहा अफसरों का दिल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात,माती। योगी सरकार के तमाम निर्देशों के बावजूद जिले में बेसहारा गोवंशों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। ब्लॉक सरवनखेड़ा की पंचायतों में हालात इतने गंभीर हैं कि जिला मुख्यालय से महज 4 किलोमीटर की दूरी पर गजनेर-नवीपुर मार्ग पर गौ माता भूख-प्यास से बेहाल होकर सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं।

सड़क के बीचोंबीच बैठीं गायें जहां एक ओर हादसों को न्योता देती हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर करती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मोहाना गौशाला की हालत बेहद खराब है न भूसा उपलब्ध है, न हरा चारा। इसके बावजूद पंचायत अधिकारी सिर्फ कागजों पर व्यवस्था दिखाकर शासन को गुमराह कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत के बाद भी न तो एडीओ पंचायत ने सुध ली, और न ही ब्लॉक प्रशासन की कोई जिम्मेदारी तय हुई। सीडीओ के दिशा-निर्देशों के बावजूद अन्ना मवेशी खुलेआम घूमते हैं।

हैरानी की बात तो यह है कि इस संवेदनशील मुद्दे पर खबर प्रकाशित होने के बावजूद किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की नींद नहीं टूटी। सवाल यह है कि जब जिला मुख्यालय के पास ही ऐसी स्थिति है, तो दूरदराज गांवों का क्या हाल होगा?

सरकार की नीतियों की ज़मीनी हकीकत यह है कि गोशालाएं केवल आंकड़ों में चल रही हैं और सड़कों पर भूख-प्यास से व्याकुल गोवंश न्याय की प्रतीक्षा में हैं।

हम लगातार जिलेभर की गौशालाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। जहां भी अनियमितताएं पाई जाती हैं, वहां तत्काल प्रभाव से कार्रवाई कराई जाती है। सरवनखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र की गौशालाओं को लेकर लगातार गंभीर शिकायतें मिल रही हैं चाहे वह गोवंश को समय से चारा-पानी न मिलना हो या भूख से तड़प-तड़प कर मरने की स्थिति हो। बजरंग दल की टीम सभी गौशालाओं का स्थलीय निरीक्षण करेगी। यदि किसी भी गौशाला में लापरवाही या घोटाले की पुष्टि होती है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उच्च स्तर पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

हिमांशु सिंह परिहार
(जिला सह संयोजक बजरंग दल)

प्रदेश सरकार द्वारा गौ माताओं के लिए गौशालाओं में हरा चारा, भूसा और चोकर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी गाय भूख से न मरे और न ही सड़कों पर बेसहारा दिखे। इसके बावजूद यदि आज भी गौ माता सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं, तो यह बेहद गंभीर चिंता का विषय है।जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। हम इस लापरवाही को नजरअंदाज नहीं करेंगे और गौशालाओं की वास्तविक स्थिति को सरकार के शीर्ष स्तर तक पहुंचाया जाएगा, ताकि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सके।

शिवबरन सिंह चौहान,
(वरिष्ठ भाजपा नेता, क्षत्रिय महासभा)

जब हम जिला मुख्यालय पहुंचते हैं, तो वहां की स्थिति देखकर यह महसूस ही नहीं होता कि आसपास कोई गौशाला संचालित हो रही है। सड़कों पर खुलेआम घूमते और बैठे अन्ना मवेशियों की संख्या देखकर हैरानी होती है – कहीं-कहीं तो करीब 40 से ज्यादा गौमाता एक जगह सड़क पर नजर आती हैं।यह दृश्य योगी सरकार के स्पष्ट दिशा-निर्देशों को सीधी चुनौती देता है। सवाल यह उठता है कि जब शासन स्तर पर गौ माताओं की सेवा के लिए इतनी योजनाएं और संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, तो इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर इतनी घोर लापरवाही कैसे हो रही है? आखिर ऐसे गैरजिम्मेदार अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

संजू बाजपेई,
(वरिष्ठ समाजसेवी, गजनेर)

मोहाना क्षेत्र में अन्ना मवेशियों का सड़कों पर जमावड़ा अब आम बात हो गई है। आए दिन कोई न कोई व्यक्ति इन मवेशियों की चपेट में आकर चोटिल हो जाता है। सड़क पर चलते समय यह समझ नहीं आता कि किस दिशा से निकलें, क्योंकि हर ओर गायें और बैल बैठे मिलते हैं।स्थिति इतनी भयावह है कि लोगों की जान पर बन आती है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि न तो अधिकारी ध्यान देते हैं और न ही कोई ठोस कदम उठाया जाता है। सब कुछ केवल कागजों पर चलता है। भूखी-प्यासी गायें सड़क पर इधर-उधर भटक रही हैं, और व्यवस्था केवल दिखावे तक सीमित रह गई है।

गोलू दीक्षित,
(समाजसेवी, मोहाना)

रंजिश में युवक की पीट-पीटकर हत्या, गांव में सनसनी

» सरगांव बुजुर्ग गांव में वारदात, डंडों से हमला कर उतारा मौत के घाट

आरोपी फरार, एसपी ने दिए शीघ्र खुलासे के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के सरगांव बुजुर्ग गांव में बीती रविवार रात पुरानी रंजिश के चलते 35 वर्षीय छोटेलाल की डंडों से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों में कोहराम मच गया है और हत्या का आरोप गांव के कमलेश समेत अन्य युवकों पर लगाया गया है।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

जांच में जुटी पुलिस, अहम साक्ष्य जुटाए

अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह फिलहाल साफ नहीं हो सकी है।

फोरेंसिक टीम ने मौके से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं। प्रारंभिक जांच में गांव के ही कुछ लोगों से कहासुनी और रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने की बात कही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

एक ही दिन में दो दर्दनाक सड़क हादसे, दो युवकों की मौत

» गजनेर में लोडर की टक्कर से युवक की गई जान, मृतक के दो छोटे बेटे अनाथ

» दूसरे हादसे में अज्ञात वाहन ने युवक को मारी टक्कर, इलाज से पहले तोड़ा दम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात,माती। शनिवार को गजनेर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों ने दो परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। पहला हादसा गजनेर-रायपुर मार्ग पर हुआ जहां एक लोडर ने बाइक सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल सोनू उर्फ मोहित कुमार (27) की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसकी भाभी आरती और भाई अजय घायल हो गए।

पहला हादसा:मोतीपुर जा रहा था परिवार, बीच रास्ते ने छीन ली खुशियां

मूल रूप से जग्गूपुरवा निवासी सोनू, अपने पारिवारिक भाई अजय और उसकी पत्नी आरती के साथ मोतीपुर गांव किसी रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने जा रहा था। बाइक सोनू चला रहा था, तभी मुक्तापुर गांव के पास सामने से आ रही लोडर ने टक्कर

मार दी। तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गजनेर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद सोनू और आरती को मेडिकल कॉलेज रिफर किया गया, जहां सोनू को मृत घोषित कर दिया गया।

सोनू रेडीमेड बाउंड्री वॉल बनाने का काम करता था और परिवार में तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसके दो छोटे बेटे हैं। पत्नी आरती का रो-रोकर बुरा हाल है। लोडर चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दूसरा हादसा- लौटते वक्त अज्ञात वाहन ने युवक को रौंदा

दूसरा हादसा भी गजनेर थाना क्षेत्र के खनपना गांव से जुड़ा है। यहां का रहने वाला गोलू (30) शनिवार रात 10 बजे कड़री चंपतपुर (थाना विधनू, कानपुर नगर) से बाइक से घर लौट रहा था। रिंध नदी के पुल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

गांववालों ने उसे सड़क पर घायल अवस्था में देखा और परिजनों को सूचना दी। भाई धीरू मौके पर पहुंचा और उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। गोलू अविवाहित था और खेती-बाड़ी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। मां मनोरमा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि एक मामले में लोडर चालक को हिरासत में लिया गया है और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है, जबकि दूसरे

मृतक सोनू की फाईल फोटो

मृतक गोलू की फाईल फोटो

मामले में शव का पोस्टमार्टम कर रिपोर्ट संबंधित थाना (विधनू) को भेजी जा रही है।

मिशन शक्ति फेज-5 महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस का विशेष अभियान

» भीड़भाड़ वाले इलाकों में चेकिंग, मनचलों पर कसा शिकंजा

» हेल्पलाइन नंबरों के जरिए महिलाओं को किया गया जागरूक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद कानपुर देहात में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत 28 जुलाई 2025 को महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर एक दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान अपर पुलिस महानिदेशक जोन कानपुर आलोक सिंह के निर्देशन, पुलिस उपमहानिरीक्षक रेन्ज हरीश चन्द्र के पर्यवेक्षण और पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान के तहत जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी, क्षेत्राधिकारी व एंटी रोमियो टीमों ने बाजारों, स्कूल-कॉलेजों, मंदिरों और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में गहन चेकिंग की। इस दौरान संदिग्ध और मनचलों पर निगरानी रखते हुए नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की गई।अभियान के दौरान छात्राओं और महिलाओं को 1090 वीमेन पावरलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस सेवा, 1098 चाइल्डलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन

नंबरों की जानकारी दी गई।

पुलिस ने बताया कि इस तरह के अभियानों का उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों और सरकारी सेवाओं के प्रति जागरूक करना भी है, ताकि वे हर स्तर पर सशक्त बन सकें।

बाराबंकी: अवसनेश्वर महादेव मंदिर में करंट से दो श्रद्धालुओं की मौत, 38 घायल

बंदरों के उत्पात से टूटा तार, टिन शेड में फैला करंट, मची भगदड़

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। हैदरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध अवसनेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब जलाभिषेक के दौरान बिजली का करंट फैलने से भगदड़ मच गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 38 अन्य घायल हो गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मंदिर परिसर में टिन शेड पर अचानक हाई वोल्टेज बिजली का तार गिर गया, जिससे टिन शेड में करंट फैल गया। उस समय जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। करंट लगते ही लोग घबरा गए और भगदड़ मच गई।

घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे अयोध्या मंडल आयुक्त

हादसे में मुबारकपुर निवासी प्रशांत (22) और एक अन्य श्रद्धालु की त्रिवेदीगंज सीएचसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, 10 गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जिनमें से 5 की हालत नाजुक होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया।

इसके अलावा हैदरगढ़ सीएचसी में 26 अन्य श्रद्धालुओं का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

बाराबंकी के जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि बंदरों के उत्पात के चलते बिजली का तार टिन शेड पर गिर गया था, जिससे यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। प्रशासन की ओर से राहत व बचाव कार्य जारी है और मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

हैदरगढ़ सीएचसी पर घायल लोगों का हाल-चाल लेते हैदरगढ़ विधायक दिनेश रावत

घटना में घायल हुए लोगों का हाल-चाल लेते डीएम शशांक त्रिपाठी

एडीजी सुजीत पांडे पहुंचे बाराबंकी

बाराबंकी। अवसानेश्वर महादेव मंदिर हैदरगढ़ पहुंचे एडीजी सुजीत पांडेलखनऊ जोन के एडीजी सुजीत पांडे ने जनपद के अवसनेश्वर मंदिर पहुंचकर कर घटनास्थल का किया निरीक्षण और घटनास्थल की कराई गई वीडियोग्राफी..!!

आज रात 12 बजे से खुलेगा उज्जैन का नागचंद्रेश्वर मंदिर

» साल में सिर्फ एक बार खुलने वाला नागचंद्रेश्वर मंदिर आज रात से 24 घंटे के लिए होगा श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

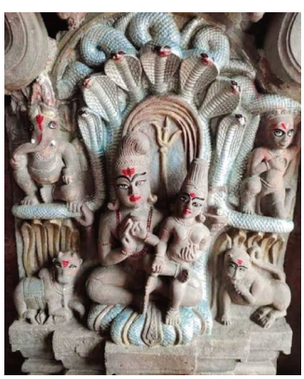

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट आज रात 12 बजे से नागपंचमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे के लिए खुलने जा रहे हैं। यह मंदिर महाकालेश्वर मंदिर के तीसरे तल पर स्थित है और वर्ष में केवल एक बार दर्शन के लिए खोला जाता है नागपंचमी के दिन।

इस प्राचीन मंदिर में भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की दुर्लभ प्रतिमा स्थापित है, जो 11वीं शताब्दी की मानी जाती है। यह मूर्ति नेपाल से लाई गई थी और इसकी बनावट अत्यंत विशिष्ट है — ऐसा स्वरूप दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलता।

इतिहास की झलक

मंदिर का निर्माण परमार वंश के महान सम्राट राजा भोज ने 11वीं शताब्दी में करवाया था।

बाद में सिंधिया राजवंश के महाराज राणोजी सिंधिया ने वर्ष 1732 में महाकालेश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया, जिसमें नागचंद्रेश्वर मंदिर भी शामिल था।

इस अद्वितीय अवसर पर देशभर से हजारों श्रद्धालु उज्जैन पहुंच चुके हैं और रात्रि 12 बजे से लेकर अगली रात 12 बजे तक दर्शन का लाभ ले सकेंगे। इसके बाद मंदिर अगले वर्ष नागपंचमी तक बंद रहेगा।

राम भरोसे अस्पताल जब गार्ड सोते रहे, कुत्ते पहरा देते रहे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध अयोध्या अब मेडिकल लापरवाही और संस्थागत सुस्ती का प्रतीक भी बनता जा रहा है। ताज़ा मामला जिला चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय अयोध्या का है, जहां 25-26 जुलाई की दरम्यानी रात करीब 2 बजे नज़ारा किसी प्रशासनिक मज़ाक से कम नहीं था।

जिला अस्पताल और महिला चिकित्सालय

सभी सुरक्षा गार्ड जिनमें खासकर हाल ही में तैनात किए गए 'पूर्व सैनिक कल्याण' के गार्ड शामिल थे चैन की नींद में सोते मिले। इन पर जनता को बड़ा भरोसा था, सरकार ने इन्हें अनुशासित, कर्तव्यनिष्ठ और देशसेवा से ओतप्रोत बताकर नियुक्त किया था। मगर अस्पताल की हकीकत इस भरोसे की धज्जियाँ उड़ा रही है। गंभीर सवाल यह है कि अगर रात के सन्नाटे में किसी मरीज या नवजात के साथ कोई अनहोनी हो जाती, तो जिम्मेदार कौन होता?

वहीं, अस्पताल परिसर में आवारा कुत्तों का बेरोकटोक घूमना भी इस लापरवाही की पोल खोलता है। ये वही परिसर हैं जहाँ हर रोज़ सैकड़ों मरीज, गर्भवती महिलाएं, नवजात और बुजुर्ग इलाज के लिए पहुंचते हैं।

बता दे कि 15 जुलाई 2025 को ही पुराने संविदा गार्डों को हटाकर पूर्व सैनिकों की नियुक्ति की गई थी। लेकिन ना वर्दी, ना निगरानी और ना ही कोई सक्रियता, मानो सिर्फ़ नाम बदलकर सुरक्षा को सम्मान का मुखौटा पहना दिया गया हो। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, महिला अस्पताल अधीक्षक और जिला अस्पताल प्रशासन की आंखें मूंदे बैठी हैं। कैमरों की निगाहें सोए गार्डों पर थीं, लेकिन सवाल उठता है कि अस्पताल प्रबंधन की निगरानी किस गहरी नींद में खोई है?

रात में सोते मिले सुरक्षाकर्मी

» पूर्व सैनिकों की नियुक्ति 'सम्मान' या 'समझौता'?

» सीसीटीवी फुटेज में मिला सबूत इंसानी सुरक्षा सोई, कुत्ते जागते रहे

» रात 2 बजे की तस्वीरें बन गईं अस्पताल की सच्चाई का आईना

अस्पताल के वार्ड में घुसे कुत्ते

उरई मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग छात्रों का बवाल

» प्रिंसिपल और फैकल्टी पर शोषण और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

» छात्र और छात्रों की शिकायत पर डीएम ने दिए जांच के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में नर्सिंग छात्रों का आक्रोश सोमवार को खुलकर सामने आ गया। छात्राओं ने नर्सिंग फैकल्टी और मेडिकल प्रशासन पर मानसिक, आर्थिक और शारीरिक शोषण के गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

छात्रों का कहना है कि परीक्षा में शामिल कराने के नाम पर 20 हजार रुपये की रिश्वत वसूली जा रही है। इसके अलावा छात्राओं ने फैकल्टी पर छेड़खानी और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए। छात्राओं ने जब इन घटनाओं की शिकायत की, तो उल्टे उन्हें डराया और चुप रहने को मजबूर किया गया।स्थिति इतनी भयावह हो गई कि एक छात्र ने प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या का प्रयास तक कर डाला। हालांकि समय रहते उसे बचा लिया गया।

छात्रों ने बताया कि उन्होंने कई बार मेडिकल प्रशासन से शिकायतें कीं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके चलते अब छात्रों ने फैकल्टी और प्रशासन के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया है।

मामले ने तूल पकड़ लिया है और अब प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग ज़ोर पकड़ रही है। छात्र संगठनों ने भी इस मामले को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है।

उम्मीद की जा रही है कि सरकार और प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करेगा ताकि भविष्य में किसी छात्र को फिर से ऐसी प्रताड़ना ना झेलनी पड़े।

छात्रों की मांग है कि

पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए
दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो
भविष्य में छात्रों की सुरक्षा और गरिमा की गारंटी दी जाए

अयोध्या में पलटी कानपुर के श्रद्धालुओं से भरी बस

25 गंभीर घायलों में से 6 को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर किया गया रेफर

झूला मेला से लौटते श्रद्धालु हादसे का शिकार, 42 घायल, 25 की हालत गंभीर

स्वराज इंडिया की अपील

श्रद्धा के नाम पर लापरवाही अब और नहीं। प्रशासन, आयोजक और परिवहन विभाग जवाब दे - वरना ये हादसे दोहराए जाएंगे, और हर बार कोई मां, कोई बहन, कोई बच्चा चिल्लाता रह जाएगा "बचाओ..." लेकिन कोई नहीं आएगा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। श्रद्धा और भक्ति की यात्रा अचानक चीख-पुकार और खून से सनी सड़क में बदल गई। सावन झूला मेले से दर्शन कर लौट रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-27 पर रौनाही थाना क्षेत्र के सत्तीचौरा के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि बस में सवार करीब 42 यात्री घायल हो गए, जिनमें 25 की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और ड्राइवर का अचानक नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे बस कई फीट घिसटते हुए पलटी खा गई। चीख-पुकार के बीच स्थानीय ग्रामीण और राहगीरों ने घायलों को बस से बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल अयोध्या पहुंचाया गया।

जिला अस्पताल में अफरा-तफरी : हादसे की खबर मिलते ही जिला अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई। सभी डॉक्टर, स्टाफ नसज़ और पैरामेडिकल टीम घायलों की सेवा में लग गई। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गंभीर घायलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हादसे के बाद सवाल उठने लगे है क्या श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कोई मानक तय किए गए थे? क्या बस फिटनेस और ड्राइवर की दक्षता की जांच की गई थी? क्या सावन मेले में आने-जाने वाली भीड़ को सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे? अभी तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं आया है। लेकिन श्रद्धालुओं और परिजनों में आक्रोश साफ दिख रहा है। यदि समय रहते प्रशासन रूट और ड्राइवरों की निगरानी करता, तो यह हादसा टल सकता था।

घायलों को सूची

- रेनू बिश्वकर्मा-चौबेपुर कानपुर
- विशाल शर्मा-5/0 ख्यन बाबू, कन्नौज कानपुर
- रननी विश्वकर्मा-चन्द्रप्रकाश विश्वकर्मा, अहिरवा कानपुर
- निकीता गुप्ता, एव0 लालवता प्रसाद, मन्धना कानपुर
- प्रियाशमी विशाल शमी, कन्नौज कानपुर
- रानी राम सेवक, चौबेपुर कानपुर
- गोमती, 2/0 शिवनाथ, चौबेपुर कानपुर
- बब्ली चौबे पत्नी आजाद सिंह चौहान, मन्धना कानपुर
- सुनम पाडेय, विधदेवी, रामादेवी कानपुर
- नन्दनी यादव, कानपुर
- अंश पुत्र लक्ष्मण सिंह, महावीरनगर कानपुर